

अधिक उत्पादनशील किस्मों के पहले के आंकड़ों पर स्थिर है। बोवाई हो रही है और अब तक की रिपोर्टों के अनुसार सामान्य रूप से चल रही है।

(ख) गोविन्दसागर झील में कम पानी जमा होने के कारण, पंजाब को पानी और बिजली की सप्लाई में कमी की सम्भावना है। गेहूँ के उत्पादन पर उसके प्रभाव का निर्धारण करना अभी ठीक नहीं होगा।

(ग) पंजाब सरकार को सामूहिक रूप से लगभग 36 मैगावाट की क्षमता के 27 डीजल जनरेटिंग सैट आयात तथा स्थापित करने के लिए विदेशी मुद्रा दी गई है। मन्त्रालय ने राज्य सरकार को उन मिर्चाई के तरीकों को लोकप्रिय बनाने की सलाह दी है जिनमें पानी का प्रयोग कम हो और प्रायः जल का सविवेक प्रयोग करके सम्यगत क्षेत्र को बढ़ाया जा सके। उनसे यह भी अनुरोध किया गया था कि वे क्षेत्रीय भाषाओं में उपयुक्त प्रचार साहित्य प्रकाशित करें जिनमें किसानों को यह सलाह दी जाए कि वे मिर्चाई के अति उपयुक्त तरीके अपनाकर ठीक मात्रा में पानी का उपयोग करें।

**‘आकाशवाणी के प्रारंभों’ के बारे में शिकायतें**

5075. श्री रघुबीर सिंह शास्त्री :

श्री यशपाल सिंह :

श्री समर गुह :

क्या सूचना तथा प्रसारण और संचार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) पिछले दो वर्षों में समाचारों तथा अन्य कार्यक्रमों के प्रसारण के सम्बन्ध में प्राप्त हुई शिकायतों की संख्या कितनी है ; और

(ख) उनका स्वरूप क्या है तथा उन पर क्या कार्यवाही की गई है ?

**सूचना तथा प्रसारण मंत्रालय और संचार विभाग में राज्य मंत्री (श्री इ० कु० गुजराल) :**  
(क) और (ख). पिछले दो वर्षों के दौरान आकाशवाणी के सभी केन्द्रों को प्राप्त शिकायतों का पूरा रिकार्ड उपलब्ध नहीं है, क्योंकि श्रोताओं के पत्र आम तौर पर एक वर्ष से अधिक समय के लिए नहीं रखे जाते। तथापि, सभी शिकायतों की तुरन्त ही जांच की जाती है। बहुत सी शिकायतें अस्पष्ट या केवल सुनी मुनाई बातों पर आधारित तथा कभी-कभी निराधार या पक्षपातपूर्ण पाई जाती हैं। जहां विनिष्ट उदाहरण दिये जाते हैं और छानबीन करने पर वे सही पाये जाते हैं, तो तुरन्त ही उपचारात्मक कार्यवाई की जाती है।

**चोरबाजारी रोकने के लिए वनस्पति घी का सुगमता से मिलना**

5076. श्री रघुबीर सिंह शास्त्री : क्या खाद्य तथा कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि वनस्पति घी की उत्पादन क्षमता देश में इसकी मांग से अधिक है फिर भी यह चोरबाजारी में बेचा जाता है ;

(ख) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं ; और

(ग) देश में वनस्पति की चोरबाजारी को रोकने एवं इसके मूल्यों में स्थिरता लाने के लिए इसकी उपलब्धता को सुगम बनाने की दृष्टि से सरकार द्वारा क्या कार्यवाही किए जाने का विचार है ?

**खाद्य कृषि, सामुदायिक विकास तथा सहकार मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अन्नासाहेब शिन्डे) :** (क) जी नहीं। सरकार के ध्यान में ऐसी कोई बात नहीं आयी है कि वनस्पति को सरकार द्वारा अधिमूचित मूल्यों से ऊंचे मूल्यों पर बेचा जा रहा है।